

DPN 6127

Title : मुशालिकल्प MUSALI KALPA

Run. No. 6818

Cat. No.

Micro. No.

Subject Medicine

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 19.5 x 8.5

Folios 11

Lines (in a page) 8

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS 9690/1710

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyāsaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

*
* स्वस्ति श्री गरुडेशाय नमः ॥ ॥ अथ मुशालि कल्प ॥ मुशालि गडत धानु नित्य ज्वर जा ॥

10

5

0

CMS

5

10

15

20



स्वस्ति श्री गणेशाय नमः ॥ अथ मुशालिकल्पः ॥ मुशालिगुतपानुनित्यज्वरजा ॥
 मुशलिमहषानुनित्यज्वरजा ॥ मुशालिविहिकटाइकोफलपानुपेटथलजा ॥ मु
 शलिभगिराजघातकासोउपशशोजा ॥ मुसलिदहिषानुसरिरलाउनुदुभिकजा ॥
 मुशलिदुधपानुसरिरइंद्रियजाग ॥ मुशलिकेरपानुसरिवेथाजा ॥ मुशलितिलने
 लपानुसरिरपुष्टहो ॥ मुशलिहसुनपानुगांडजा ॥ मुशलिदहिषानुपांडुरोगजा ॥ मुश
 लिकुभिंजेषानुहियोदहदोजा ॥ मुशलिपिपलाफानुफियोजा ॥ मुशलिपिपलाम
 रिवजवानुपांडुघातहर्षाजा ॥ मुशलिभंगराजघातहर्षाजा ॥ मुशलिजवानुषा
 नुवायुज्वरजा ॥ मुशलिमहिषानुपेटकाजुकाजरु ॥ मुशलिभांगेषानुसर्ववापुजा ॥

मुसलिनितुण्डिषानुसरिरपुष्टहो ॥ मुसलिकाकिकोदधवरिगरिखानुसरिरपुष्टहो ॥ मु
 शलिवितोकांनघालुनुकांनपाकोजा ॥ मुललिश्रवलाषानुलेपगर्नुविषनलाग ॥ मुश
 लिषांडघातप्रमेयजा ॥ इतिमुशालिप्रयोगः ॥ १ ॥ सिउंडकादुपाचिरितनभर्तुहोडिहा
 लिमुखवुजनुचारप्रहरश्चिदिनुनवभस्महोलासेभस्मभाग १ मरिचिभाग १ अठोभाग १
 हिरविभाग १ अककराभाग १ जाइफलभाग १ पिपलाभाग १ इतिसमगरिपिसि वस्त्रगालि
 तगर्तुतिनअंगलाप्रमाराषानुफियोजाअलमहजा ॥ काशोउपशशोजा ॥ हृत्ररोगजा ॥ अ
 जिर्णजा ॥ वायुगल्मपांडुरोगजा ॥ इतिभस्मस्वरनाम ॥ जाइफलजाइपत्रिलवांगआलैवि
 सुयोमरिचि १ सोफ १ जिरो १ मालका १ गुतिवज्र भांगकनकविज ॥ जवानु १ एककराहा ॥ हिरवि

हरजा ॥ वरजा अउला ॥ अफिम पिपलि मूल ॥ कटाइ मूल कटाइ बीज केदार सुठो ॥ ॥ इति वंगेश्वर ॥
 गुर्जो सुठो उमालि पितु अउला को जरो जा ॥ अरिड को जरो कटाइ को जरो सुठो गुर्जो नितो उमालि पि
 तु अलो जरो जा ॥ हिं गजिरो पिसि गाइ धित वसित दिनु अउलि ज्वरजा ॥ धनि उ गुर्घो सुठो क
 टाइ उमालि पितु अउलि ज्वरजा ॥ इति अलो ज्वर प्रतिकार ॥ ~~X~~ ॥ विषभाग ॥ मरिचि भाग २ पिपला
 भाग ३ सुठो भाग ४ भे साधुर भाग १६ एति पिहि वस्त्र गालित गर्त ॥ अउ नारस सित षल नुरति ४
 प्रमाण अउ वासित दिनु ॥ नास दिनु जरो जा ॥ चउलानि संग पाउ उपत्र लिजा ॥ महसित पान अति
 सारजा ॥ चक संग दिनु कासो उपासो जा ॥ तिषले पाउ ५ वा पुजा मंदाग्नि जा ॥ पेढको वह जा ॥ ॥
 इति भस्मेश्वर ॥ परे वाकि विष्टि गुड सित पाउ न हस्तारो गजा ॥ भे सा गोवर पानि हलि फुलान

नानो गरि वाधु नरहु जा ॥ इति नरहुरोग ॥ वरका पान को भस्म मरिचि पिपला सुठो सिंधो नउति संग
 खलुर्त आषा अंजन गर्त आषा कोषेरो जा ॥ जेठि मह ॥ वाकि मल घो दन आषा अंजन गर्त आषा उ
 षदा जा ॥ चोत्रो सिंधो सुठो रक्त वंदन ॥ एति पिहि वस्त्र गालित गर्त ॥ दहिका पानि सित पिहु अंजन गर्त आ
 षा ~~अउला~~ पाता जा ॥ सर्व गहिं दाजा ॥ त्रिफलि मूल भंग राज मह पातु निरिमिरि जा काचो हले दो पुनर्त
 वा पिहि वस्त्र गालित गर्त घन महसित षलर्त अंजन गर्त आषा उ हदा जा ॥ पिपला मरिचि सुठो भंग रा
 ज काचो हले दो एति सम गरि सुकायि पितु वस्त्र गालित गर्त घन संग अंजन गर्त फुलो जा ॥ काति
 की मह अंज सुन गर्त निरिमिरि जा ॥ इति नेत्ररोग ॥ ॥ सिमल कोवो को ज वाउ एति पिसि अउला
 प्रमाण पानु पराइ जा ॥ रायो धि उपाउ पराइ जा ॥ शिषंड रया लि पितु परा पिजा ॥ कलुकुटि पानि रु
 जाउनु वस्त्र गालित गर्त पाउ सित पाउ परा पिजा मुद्रा हजा ॥ सिमल कोषो मे दहि पाउ पराइ मुद्र

५ जहजा. इतिषरप्रतिकार॥ ॥ पतिउर्जकिगुदिदानकाकेइहालनु किजेजा ॥ जेपालकिवाला
 रतिदंतकेइघालनुदंतपिजजा ॥ सिउंडकोजरोरति. दंतकेइलनुदंतपिजजा ॥ सिसनाको
 जरोमंगलवारकानवांधनुदंतपिजजा ॥ इतिदंतरेगप्रतिकारः॥ ॥ एतिमाहागहनभिजाउनु
 पिसिदहिसितषाठनरहदोपषालाजा ॥ पाषाणभेदक्षिउन्मापिसिवस्त्रगालितगर्त. दहिसितषा
 ५ नुनिगइजा ॥ पयइजा ॥ षरिकाविजषांडदहिसंगषाठवालाअतिसारजा ॥ भैसाघनमुठनाअफि
 मतिलमहसंगपिसिअउंलाप्रमाणषाठसर्वअतिसारजा ॥ एरसाभिजवानुअफिम. लवाग
 जाइफल. मरिच. षांड. समगरिपिसनुविरलापादप्रमाणषाठ. सर्वअतिसारजा ॥ विनोगडाइनु
 पाषाणभेदजवानुमरिच. पिपला. सिंधोसमगरि. पिसनुवस्त्रगालितगर्त. विरलापादप्रमा
 णषाठसर्वतिसारजा ॥ भोकलाग ॥ अंनरुच. मासिपरदोरह. पेददुषदोरह. आवकिवाला
 दहिसंगषाठ. अतिसारजा. रक्तपदोरह ॥ इतिअतिसारप्रतिकारः ॥ गाइधिनसिंधोमुठनुदिनु

६ उछालजा ॥ गुर्जोबेलकिगुदिउमालितानोगरिमहसंगदिनुउपतैलिजा ॥ लवांगजाइफल. मो
 थोपिसिपानिसितषाठउपतैलिजा ॥ सिमलकोवोको. केरपिसिपानिसंगषाठ. उपतैलिजा ॥
 कार्त्रिकज्येष्ठवेशाखमासत्राढगरिदिनुउपतैलिजा ॥ इतिउपतैलिप्रतिकारः ॥ ॥ जामुनाकोवो
 कोआवकोवोकोपिसिवासिपानिसितषाठ. व्याकारिजा ॥ हरजमह. षांडसंगषाठ. व्याका
 रिजा ॥ इतिव्यगारिप्रकारः ॥ ॥ ओककोवोकरापारोगंधकसमगर्तितविंशकोरस. पृष्ठ
 दिनपुटेप्रतिसूर्यपकाउनु. अमिलाकोरसघालितावाभाजबलर्तमासा. प्रमाणाषाठ. पेठको
 श्रामकफपित्तसर्वउषालहो ॥ नुनसिउंडदुधपुटशदिन. मासा२ प्रमाणा गाइदुधसितषापिठ
 उषालहो ॥ कोजोमहतातापानिसंगपिठउषालहो ॥ दहिभातषाठउषालरह ॥ इतिउषालप्र
 तिकारः ॥ ॥ विद्याभाग. सिंधोभाग. चूर्णगरिमलदामहवारमाहोचालनुनिरंधजा ॥ अपामार्गको
 रकेनाधिकुविरहोहिउकोदवनागरे. लमुरेअप्रयुक्तव्यंहं निभलाअंधशरी ॥ ॥ इतिरजअलवधाजा

७६ भागमेका

जरोपातिसितपितृपेटकौनिरंधजा ॥ नानोपातितुन उमालिपितुनिरंधजा ॥ हरेबाँडरनि ॥ एति
 पिसि तातापातिसितपितृपेटकौनिरंधजा ॥ इतिनिरंधजा ॥ ७ ॥ पलासकोवीजमहसितमिसि
 पसुतिभयाभगलेपगर्तुस्त्रिवांरिहो ॥ इतिवांरिप्रतिकार ॥ ॥ मनुष्यव्याधिपिडांचदोषपृच्छ
 तियोतिषि ॥ दक्षिणोचंद्रजिवंतिवामेचंद्रस्पृष्टुकं ॥ चंद्रस्थानेस्थितेजिवेसूर्यस्थानेचक्षु
 ति ॥ तदनजिवनेरोगियदाहंत्वयमागतं ॥ उर्ध्ववरगतेजिवेनजिवंतिचमानव ॥ उर्ध्वस्वरगतेजी
 वेतस्यजीवोयमालयं ॥ इतिउत्तलक्षणां ॥ ८ ॥ मुषापिडाहो मुखवंगहसरोहो आषासेताहुनु ॥
 योवातज्वरजानु ॥ वातज्वरनिपायो गर्तगा इधितमर्दनगर्तुश्रुतितपाउनु ॥ घृतभातपातुभेजको
 मासुकोजोलदिनु ॥ इतिवातज्वरकोषधा ॥ ॥ श्रीरंडकोजरौवालुकोजरौकटाइकोजरौविहि

वडाइजिरोगोषुरोनगुर्धोपुननवा सुहोइतिउमालिपितुवातज्वरजा ॥ इतिवातज्वरौषधं ॥ ॥
 अथपित्तज्वरलक्ष ॥ पेटजहो ॥ मुषअक ॥ दतोसामुषलोहिआत्र ॥ नापुरोआत्र ॥ स्फिरसडह ॥ मुखति
 तितोहो ॥ एसाचिरुर्द्धंनपित्तज्वरजानिय ॥ पित्तज्वरउपासगर्तु ॥ श्रीखंड ॥ कर्पूर ॥ वासिपानि ॥ दिन
 ७ ॥ पुनपर्वत ॥ भोलभोल ॥ नितोजमाइपितुनिकोदहोसरिरहो ॥ उपास ७ दिननिद्रासेउपास ४
 दिनतवपित्तज्वरकापुटि ॥ केरुआनुगुर्धो ॥ अद्यो ॥ कटुकि ॥ नितो ॥ वल ॥ धनियुं ॥ इतिउमालिपितुपि
 त्तज्वरजा ॥ सर्वाङ्गि ॥ नामज्वरांकुश ॥ ॥ जेपालभाग १ पारोभाग १ गंधकभाग १ सुवागभाग १ इ
 उलभाग १ इतिसमगरि ॥ इतिकोरसघालिपिसतु ॥ इतिप्रमाराकागोलिगर्तु ॥ गोलि १ घात १ सर्व
 ज्वरजा ॥ इतिमुरारिनामज्वरांकुश ॥ ॥ अथभंगीराजकल्प ॥ भंगराज ॥ भलेयो ॥ घात ॥ कुष्टि
 रोगजा ॥ भंगीराज ॥ हरडघातजलोदरजा ॥ भंगीराजमदघात ॥ अनिसारजा ॥ भंगराजतिल

पातु कमलरोगजा ॥ भंगराज कटु किषातु अउलिज्वरजा ॥ भंगराज विफला पातु सिररो
 गजा ॥ भंगरा दष पातु गाठजा ॥ भंगराज चितोषातु मंदगिजा ॥ भंगराज निर्गुडि पातु अउ
 लिज्वरजा ॥ भंगराज कोजरो कान कवाधठ कर्णरोगजा ॥ भंगराज कोजरो विषम कान वों
 धन दांत बाधेजा ॥ ॥ अथ बाहुल्या न्या कल्प ॥ ॥ बाहुल्या न्या घन पातु पित्त रोगजा ॥ सरि
 रूष्ट हो न जा गि इंदिय जाग ॥ बाहुल्या न्या ऐपालु कोजरो अजाल पातु सहि पातु जा ॥
 बाहुल्या न्या को चूर्ण वाकि काउध संग पातु पेठ सल जा ॥ बाहुल्या न्या वाकि का घन संग
 पातु सिर व्यथा जा ॥ दहि संग पातु कमल रोगजा ॥ महसित पातु अतिसार जा ॥ दहि संग
 पातु इंदिय नेज हो ॥ बाहुल्या न्या नृकु य पातु कासो उप्सासो क्षयरोगजा ॥ गुर्जी सित पा
 तु वातरोगजा ॥ वोजै सित पातु विदोष जा ॥ ० ग उंत सित पातु अउलिज्वरजा ॥ सिवाल्लि

सित पातु बाउथो जा ॥ ॥ इति बाहुल्या न्या कल्प ॥ ॥ अथ मूल कल्प ॥ भंगराज कोजरो ० पिसि
 नाभिला उनु हिया कि वह जा ॥ अउला कोजरो तिष्य नक्षत्र मा गला बांधतु गांउ जा ॥ दुधिला को
 जरो हान बांधतु विद्धि विष जा ॥ वेष्टु कोजरो पुष्य नक्षत्र मा पिसि पातु विष न लाग ॥ कण्ड को
 जरो दहिका पानि सित पिहू मुठ घालतु रिगया जा ॥ बांस कोजरो नाना उध संग पातु कमल रो
 गजा ॥ कुभिंज कोजरो ० पिसि कारा बाधतु पातु दिन ७ मुत्र छुड़ा ॥ मोथा कोजरो पानि
 संग पिसि मर्दन गर्तु लुतो जा ॥ गोषरा को ० जरो पिहि पानि संग पातु एकल रो गजा ॥ कांस को
 जरो पिसि दहि सित पातु लुतो जा ॥ सहदेवि कोजरो आदित्य वार कान बांधतु नित्य ज्वरजा ॥
 हरश कोजरो कान कवाधतु कर्ण अल जा ॥ ॥ अथ काक जंघा कल्प ॥ काक जंघा कोजरो
 उध पिहि मुठ घालतु रिगया जा ॥ काक जंघा को ० रस अउला को रस भंगराज को रस ०

त्रांगामाधिराषतमा ~~सुखे~~ सा द्वाका दुध संग लेप गर्त सगुविया काहान गो
 जतिका उद् ॥ गंधक धतूरो महि निल तेल संग पका नुत वाकलो हो काठन ॥ मर्दन गर्त
 हस्ति दांत जा ॥ अमोया कुष्ठ जा ॥ रक्त पित्त जा ॥ गंधक विफला भंगिराज मलायो काला
 तिल निता विंग काविया मिलाइ लेप गर्त कुष्ठ जा ॥ हिर विभाग मरिच भाग २ पोल्या को
 हरो भाग ३ इति सम गरि पिसुत ॥ शानु सर्व कुष्ठ जा ॥ सुठो भाग पिपला भाग मरिच भाग
 राज दक्ष का ७ गुदि भाग १ हिर विभाग १ अडंला भाग ४ हरो भाग ४ वरो भाग ४ इति चूर्ण
 नु घृत महसित लेप गर्त सर्व कुष्ठ जा ॥ राज दक्ष काविया तिल भाग अठो भाग १ गु
 ड भाग १ इति पिसि शानु श्वेत कुष्ठ जा ॥ इति कुष्ठ रोग प्रकार ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

१३ दुध माड शानु रस पर्दा जा ॥ विफला चूर्ण माड शानु नित्य ज्वर जा ॥ पानर माड शानु मंद ज्वर
 जा ॥ न फूला चूर्ण माड शानु आषा पाक्ता जा ॥ गुड घृत माड शानु ~~सुखे~~ ॥ आषा
 को ग्रह जा ॥ मह माड शानु जलोदर जा ॥ वर चूर्ण माड शानु मुख रोग जा ॥ भलाया मा
 ड शानु पेट को वायु गुल्म जा ॥ दहि माड शानु हर्षा जा ॥ मर्च माड शानु निना छिड फु
 र जा ॥ कत्र इ विज माड शानु मुख रोग जा ॥ वायु विडंग माड शानु दांत अल जा ॥ गुड मा
 ड शानु हियोड हदो जा ॥ मर्च नुत माड शानु अजिर्ण जा ॥ भकि आ मिलो माड शानु
 त्रिकोशाल फुक ॥ गउंत माड शानु संनिपात जा ॥ माड दहिको पानि शानु पेट सूल जा ॥ मा
 ड पलास विज शानु कान दुको जा ॥ सांदन को घाला माड शानु रक्त अनिसार जा ॥ दुर्वार स मा
 ड शानु अजिर्ण जा ॥ छिड न्या चूर्ण माड शानु गानु निको हो ॥ ॥ माड जवानु शानु का सोड सा

सोजा ॥ विनाचर्मा माऽसंगषातु मंदाग्निजा ॥ इति माऽकल्पः ॥ १७ ॥ समुद्रफलमरिच-
 नासलितुश्चष्टोत्ररकिराकोविषमरः ॥ समुद्रफलहलेदो घृतपिसिगांडलाउनुगांडजा ॥ स-
 मुद्रफलं त्रिपुरसघोटिलाउनुसर्वषटिराजा ॥ समुद्रफलवासिपानिसितघोटिनासदिनु-
 सिरव्यथाजा ॥ समुद्रफलनिर्गुडिरसघोटिअंजनगर्तुः ॥ फुलोजा ॥ सिरव्यथाजा ॥ समुद्रफ-
 लस्त्रिदुधघोटिमुखलेपगर्तुमुखगंधजा ॥ समुद्रफलगाइधितअंजनगर्तुआंषाकोजालो-
 जा ॥ समुद्रफलगाइदुधघोटिपितुअतिकोषटिरोफुट ॥ समुद्रफलखवासिपानिपितु-
 श्लेषजा ॥ समुद्रफलदुधघोटिलाउनुनपाकोषटिरोपाक ॥ समुद्रफलदहिकापानिमा-
 हाघोटिकानघालतुकानीकेवडकजा ॥ समुद्रफलदहिकोपानिघोटिपितुअजिर्णजा ॥
 समुद्रफलवोमोनासदिनुभूतगकिनिजा ॥ समुद्रफलतफ्लारसनासदिनुसन्निपातजा ॥

समुद्रफलकाजिअंजनगर्तुतिरिमिजा ॥ ॥ समुद्रफलतिलनेलअंजनगर्तु ॥ आंषाडकाजा ॥
 समुद्रफलवाकिदुधलेपगर्तुआंषावातआवर ॥ समुद्रफलसिवालिरसनासदिनुअवाहाजा ॥
 ॥ इति समुद्रफलकल्पः ॥ विनोभाग ॥ मरिचभाग ॥ पिपलाभाग ॥ अठोभाग ॥ वोमोभाग ॥ वाड-
 ल्यान्वाभाग ॥ नगर्पोभाग ॥ भंगिरजभाग ॥ जवातभाग ॥ हरजोभाग ॥ सिंधोभाग ॥ इति मिला-
 विसनुवस्त्रगलितगर्तुनिनअंशुलप्रमाणतातापानिसंगषातुमंदाग्निजा ॥ वासुगुलजा ॥ स-
 ग्रहणिजा ॥ गाइघृतसितषातुपेठरलजा ॥ तिलनेलसितषातुवासजा ॥ कहुवातेलसंग-
 षातुवानपित्तश्लेषजा ॥ कहुवातेलसंगमर्दनगर्तुसन्निपातजात्रिदोषजा ॥ गुडसितषातुपि-
 त्तजा ॥ मंहसंगषातुअतिसारजा ॥ उत्राकापानसंगषातुकमलरोगजा ॥ भलायासितषा-
 तुजलोदरजा ॥ इति वानप्रतिकारः ॥ ॥ सिलाजुपिसिवस्त्रगलितगर्तुगडतहरउगुदिन-
 हरजपिपलासिलाजुमहषातुपित्तरोगजा ॥ अउलासिलाजुषातुकासोउरसासोजा ॥ ॥

अंशुलप्रमाणानुगतोपानिषिनुपचनिहो ॥ इतिपचनिहो ॥ अजेपालभाग१ मरिचिभा
ग१ चाउलभाग१ उडसितषानु. नानोपानिषिनु छुरिकापषालाहो ॥ अजेपालभाग३
हरजोभाग१ मरिचिभाग५ चुकरति५ एककवगदिनउमिसंगनिलनु. नानोपानिषिनु
पषालाहो ॥ अजेपालकोजिधो फालउंगोवरहालिपकाउनु. हरजः मरिचः. उड. षड
र. इतिमिलाइपिसनुनउमिसंगनिलनु. नानोपानिषिनुपषालाहो ॥ इतिछुरिका
पषाला. ॥ ॥ अरिउकोविज. जेपाल. षडरचावलसिंधो मरिचः. पिसिषानुचिसोपा.
निषिनु. मेघैनादपषालाहो ॥ अजेपालरूपिपला मरिचः. जिरी. चुक. अडवाकोरसघा
लिपिसिषानुपषालाहो ॥ दहिमानषानु. पषालारह ॥ ४१ ॥ ४२ ॥ ४३ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥ ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥ ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥ ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥ ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥ ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

ॐ ध्यात्वा नारः शृङ्खला को जलो १ गा इन्द्र धर्म तया नु धानु जा .

काशाकमिलाकोशमोलोपोलिखदा ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥
सितवरिगरिवगुपपरिजा

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ዘይብሉኒ፡ እዚ ዘሉ ጸሐፊ ነገር ነገር

[illegible]

सिंहो विमोक्षदोषविच्छेदः प्रवृत्तिः

ॐ

Handwritten text: *Handwritten text, possibly a signature or name, in a cursive script.*

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥

Handwritten musical notation on a single staff, featuring various note values and rests.

~~• ESEUE E HUYESESESE~~

[illegible]

~~一、二、三、四、五、六、七、八、九、十、十一、十二、十三、十四、十五、十六、十七、十八、十九、二十~~

[illegible][illegible]

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥